2016

विधि (प्रश्न-पत्र–II)

(प्रक्रिया एवं साक्ष्य)

समय : तीन घण्टे

अधिकतम अंक : 200

विशेष अनुदेश

कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न संख्या **1** अनिवार्य है।

प्रत्येक खण्ड में से कम-से-कम **एक** प्रश्न अवश्य कीजिए।

प्रत्येक प्रश्न के अंक प्रश्न के सम्मुख अंकित हैं।

LAW (PAPER–II)

(Procedure and Evidence)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 200

SPECIFIC INSTRUCTIONS

Attempt **five** questions in all. Question No. **1** is compulsory.

At least **one** question must be attempted from each Section.

Marks carried by each question have been indicated against the question.

1. *(a)* दिनांक 5 जनवरी, 2010 को मोहन लाल यादव ने घनश्याम नारायण सिंह, जो एक दुकानदार था, के विरुद्ध एक फौजदारी परिवाद दाखिल किया। परिणामस्वरूप घनश्याम नारायण सिंह को जेल जाना पड़ा और उसकी दुकान भी बंद हो गयी। 5 जुलाई, 2011 को विचारण के पश्चात् दण्ड न्यायालय ने घनश्याम नारायण सिंह को इस आधार पर दोषमुक्त कर दिया कि मोहन लाल यादव का परिवाद झूठा और आधारहीन था। अब घनश्याम नारायण सिंह, मोहन लाल यादव के विरुद्ध विद्वेषपूर्ण अभियोजन के लिए वाद लाना चाहता है।

उपर्युक्त तथ्यों के आधार पर वादी घनश्याम नारायण सिंह के लिए वादपत्र तैयार कीजिए।

On 5th January, 2010, Mohan Lal Yadav instituted a criminal complaint against Ghanashyam Narayan Singh who was a shopkeeper. As a result of this, Ghanashyam Narayan Singh had to go to jail and his shop was closed. After trial on 5th July, 2011 Ghanashyam Narayan Singh was acquitted by the criminal court on the grounds of false and baseless allegations levelled by Mohan Lal Yadav. Now Ghanashyam Narayan Singh wants to sue Mohan Lal Yadav on the grounds of malicious prosecution.

Write a plaint for Ghanashyam Narayan Singh based upon aforesaid facts. 20

(b) उपर्युक्त प्रश्न सं० **1.***(a)* के वादपत्र के उत्तर में प्रतिवादी मोहन लाल यादव के लिए लिखित कथन का प्रारूप तैयार कीजिए।

Prepare draft of a written statement for the defendant Mohan Lal Yadav on the basis of facts in Question No. **1.***(a)*. 20

अथवा / OR

(a) दिनांक 15-3-2014 को लखनऊ हवाई अड्डे पर एक कस्टम अधिकारी द्वारा जय प्रकाश नारायण की तलाशी ली जाती है। उसके कब्ज़े से एक धातु बरामद होती है। धातु के परीक्षण के लिए एक अनपढ़ अपितु अनुभवी सुनार को बुलाया जाता है। कब्ज़े से बरामद धातु के टुकड़े का परीक्षण कर सुनार बताता है कि धातु सोना है। परिणामस्वरूप सोना जब्त किया जाता है एवं विचारण के लिए मामला न्यायालय में प्रस्तुत किया जाता है। अभियुक्त इस आधार पर अपना बचाव करता है कि *(i)* कस्टम अधिकारी की कार्यवाही एवं सोने की जब्ती एक अभियोजन प्रक्रिया थी अतः न्यायालय में उसका पुनःअभियोजन नहीं किया जा सकता तथा *(ii)* धातु का परीक्षण करने वाला सुनार योग्य विशेषज्ञ नहीं था अतः कार्यवाही विधिसम्मत नहीं थी।

इस प्रकरण में अभियुक्त के विरुद्ध आरोप का प्रारूप तैयार कीजिए।

On date 15-3-2014, a custom officer takes personal search of one Jai Prakash Narayan at Lucknow Airport. One metal has been recovered from his possession. One uneducated but experienced goldsmith has been called to examine the metal. After examining the recovered metal the goldsmith reveals that the metal is gold. As a result, the gold is seized and the matter has been produced before the court for trial. The accused puts forward his defence on the grounds that *(i)* the proceeding conducted by the custom officer and the seizure of gold was a prosecution therefore he cannot be put to another prosecution before the court and *(ii)* the goldsmith who examined the metal was not a qualified expert therefore proceeding was not lawful.

Prepare a draft of charge against the accused into the matter. 20

(b) भाग *(a)* के तथ्यों के आधार पर मामले का निर्धारण करते हुए अपना निर्णय दीजिए।

On the basis of the facts in part *(a)*, decide the matter and give your judgement. 20

खण्ड—अ / SECTION—A

2. (a) सह-प्रतिवादीगणों के मध्य प्राङ्न्याय के सिद्धान्त को स्पष्ट कीजिए। प्राङ्न्याय, विचाराधीन मामला एवं विबन्धन से किस प्रकार भिन्न है?

Explain the principle of res judicata between co-defendants. How res judicata differs from res subjudice and estoppel? 20

(b) अभिवचन के मूल नियम क्या हैं? न्यायालय किन परिस्थितियों में अभिवचन में संशोधन की अनुमति प्रदान कर सकता है?

What are the fundamental rules of pleadings? What are the circumstances in which court can order amendment of pleadings? 10

(c) न्यायालय में अकिंचन के रूप में एक आवेदन दावा दायर करने की क्या प्रक्रिया होगी? अकिंचन वाद कौन दायर कर सकता है? अकिंचन वाद दायर करने की विधि विस्तार से समझाइए।

What procedure need to be adopted to institute a pauper suit in court of law? Who can institute such suit? Discuss the procedure in detail in pauper suit. 10

3. *(a)* सिविल न्यायालय अस्थायी व्यादेश कब जारी कर सकती है? व्यादेश के कितने प्रकार हैं, विस्तृत विवरण दीजिए।

When can a temporary injunction be granted by a civil court? Give details of kinds of injunctions. 20

(b) अन्तर-अभिवचनीय वाद क्या होता है? यह कब और किसके द्वारा संस्थित किया जा सकता है?

What is interpleader suit? When and by whom can it be instituted? 10

(c) किन परिस्थितियों में प्रतिवादी की सम्पत्ति वाद के निर्णय के पूर्व ही कुर्क की जा सकती है?

Under what circumstances can the property of defendant be attached before judgement? 10

4. *(a)* विधिक प्रतिसादन (मुजरा), साम्यिक प्रतिसादन (मुजरा) एवं प्रति-दावा के मध्य अन्तर बताइए और यह भी स्पष्ट कीजिए कि उनका दावा किस प्रकार किया जाता है तथा उनका क्या प्रभाव पड़ता है।

Distinguish among legal setoff, equitable setoff and counter-claim. Discuss also how they are claimed and what their effects are. 20

(b) *(i)* 'ख' के विरुद्ध विनिमय-पत्र के आधार पर 'क' वाद प्रस्तुत करता है। 'ख' अभिकथन करता है कि 'क' ने 'ख' के माल का बीमा करने में सदोष उपेक्षा की है और 'क' उसे प्रतिकर देने के लिए दायी है, जिसकी मुजराई का दावा 'ख' करना चाहता है। कारण सहित उत्तर दीजिए।

A sues *B* on bill of exchange. *B* alleges that *A* has wrongfully neglected to insure *B*'s goods and is liable to pay him compensation which *B* claims to set off. Answer with reasons. 10

(ii) 'क' निर्वसीयत मर जाता है। वह उस समय 'ख' के प्रति ऋणी है। 'ग', 'क' के वस्तुओं का दायित्व प्रशासन ग्रहण करता है। 'ख', 'ग' से वस्तुओं का भाग क्रय कर लेता है। 'ग', 'ख' के विरुद्ध क्रय की गई वस्तुओं का क्रयमूल्य प्राप्त करने का वाद दायर करता है। 'ख' ऋण के बदले में क्रयमूल्य के प्रतिसादन हेतु आवेदन करता है। कारण सहित उत्तर दीजिए।

A dies intestate and in debt in *B*. *C* takes out administration to *A*'s effects and *B* buys part of the effects from *C*. In a suit for purchase money by *C* against *B*, the latter wants to set off the debt. Answer with reasons. 10

खण्ड—ब / SECTION—B

5. *(a)* 'स्वीकृति' एवं 'संस्वीकृति' को समझाते हुए उनके मध्य अन्तर स्थापित कीजिए तथा यह भी समझाइए कि वे किस सीमा तक न्यायालय में साक्ष्य के रूप में ग्राह्य हैं।

Explain 'admissions' and 'confessions'. Distinguish between the two to establish how far they are admissible in the court as an evidence. 20

(*b*) क्या निम्न स्वीकृतियाँ/संस्वीकृतियाँ ग्राह्य हैं?

Are the following admissions/confessions admissible?

(*i*) 'क', 'ख' के लिए भाटक संग्रह का दायित्व लेता है। 'ग' द्वारा 'ख' को देय भाटक संग्रह न करने के लिए 'ख', 'क' के विरुद्ध वाद लाता है। 'क' मना करता है कि 'ग' से 'ख' को भाटक देय था। क्या 'ग' द्वारा यह कथन कि उस पर 'ख' को भाटक देय है 'क' के विरुद्ध ग्राह्य है?

A undertakes to collect rents for *B*. *B* sues *A* for not collecting rent due from *C* to *B*. *A* denies that rent was due from *C* to *B*. Whether the statement by *C* that he owed rent of *B* is admissible against *A*? 10

(*ii*) 'ग' की हत्या के लिए 'क' का विचारण हो रहा है। यह दर्शित करने के लिए साक्ष्य है कि 'क' और 'ख' ने 'ग' की हत्या की थी। 'ख' का कथन है कि उसने तथा 'क' ने मिलकर 'ग' की हत्या की। क्या 'ख' का कथन 'क' के विरुद्ध संस्वीकृति के रूप में विचारार्थ लिया जा सकता है?

A is being tried for the murder of *C*. There is evidence to show that *C* was murdered by *A* and *B*, and that *B* said *A* and myself had murdered *C*. Whether the statement of *B* can be considered as confession against *A*? 10

6. (*a*) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर परिपूर्ण किन्तु संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

Write exhaustive but brief notes on any *two* of the following : 10+10=20

(*i*) विशेषाधिकृत संसूचनाएँ

Privileged communications

(*ii*) प्रत्यक्ष एवं परिस्थितिजन्य साक्ष्य

Direct and circumstantial evidence

(*iii*) सबूत का भार

Burden of proof

(*iv*) विशेषज्ञ की राय

Expert opinion

(*b*) कारण सहित उत्तर दीजिए :

Answer with reasons :

(*i*) प्रश्न यह है कि क्या 'क' द्वारा 'ख' को बेचा गया घोड़ा स्वस्थ है। 'क', 'ख' से कहता है कि जाओ और 'ग' से पूछो, 'ग' इसके बारे में सब कुछ जानता है। क्या 'ग' का कथन एक स्वीकृति है?

The question is whether a horse sold by *A* to *B* is sound. *A* tells *B* to go and ask *C*, as *C* knows all about it. Whether *C*'s statement is an admission? 10

(ii) 'ख' के कुत्ते के द्वारा क्षति पहुँचाये जाने के कारण 'क', 'ख' के विरुद्ध वाद लाता है। 'ख' जानता था कि कुत्ता हिंसक (कटखना) है। क्या यह तथ्य कि कुत्ता इसके पहले 'एक्स०', 'वाई०', 'जेड०' को भी काट चुका था और उन्होंने 'ख' से इसकी शिकायत की थी, सुसंगत है?

A sues B for damage done by dog of B. B knows the dog to be ferocious. Whether the fact that the dog had previously bitten X, Y, Z and they had made complaint to B is relevant? 10

7. (a) किन परिस्थितियों में ऐसे व्यक्तियों के कथन, जिनकी मृत्यु हो चुकी है अथवा जिन्हें किसी अन्य कारण से साक्ष्य हेतु बुलाया नहीं जा सकता, न्यायालय में सिद्ध किए जा सकते हैं? दृष्टान्तों की सहायता से व्याख्या कीजिए।

In what circumstances, statement made by persons, who are dead or who otherwise cannot be called as witness, may be proved in a case? Explain with illustrations. 20

(b) सह-अभियुक्त कौन होता है? सह-अभियुक्त के साक्ष्य की सुसंगतता का वर्णन कीजिए। अपने उत्तर के समर्थन में सांविधिक उपबन्धों का भी उल्लेख कीजिए।

Who is an accomplice? Describe the relevancy of the evidence of an accomplice. Support your answer with the help of statutory provisions also. 10

(c) भारतवर्ष में डी० एन० ए० परीक्षण साक्ष्य की क्या सुसंगतता है? शीना बोरा हत्याकाण्ड के पश्चात्, डी० एन० ए० साक्ष्य की पुष्टिकारक साक्ष्य के रूप में तथा परिस्थितिजन्य साक्ष्य के रूप में सुसंगतता का विश्लेषण कीजिए।

What is the relevance of DNA test evidence in India? After Sheena Bora murder case, analyze the relevancy of DNA evidence as corroborative evidence and circumstantial evidence. 10

खण्ड—स / SECTION—C

8. (a) एक पुलिस अधिकारी द्वारा संज्ञेय तथा असंज्ञेय अपराधों के अन्वेषण की प्रक्रिया के अन्तर की संक्षिप्त व्याख्या निर्णीत वादों के आधार पर कीजिए। विशेषतया महिलाओं के विरुद्ध किए जाने वाले जघन्य अपराधों के प्रति सुरक्षा के संदर्भ में दण्ड विधि (संशोधन) अधिनियम, 2013 (संख्या 13, सन् 2013) द्वारा दण्ड प्रक्रिया संहिता में किए गए मुख्य संशोधनों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

On the basis of decided cases, discuss briefly the distinction between the procedure of investigation by a police officer in cognizable and non-cognizable offences. Specially for the protection of women against heinous crimes, what major amendments are made in the Criminal Procedure Code by the Criminal Law (Amendment) Act, 2013 (No. 13 of 2013)? Discuss in brief. 20

(b) दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 2 में ज़मानती और गैर-ज़मानती अपराधों में क्या अंतर बताया गया है? दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 437 के अन्तर्गत किन परिस्थितियों में गैर-ज़मानती अपराधों में ज़मानत दी जा सकेगी? संक्षेप में उत्तर दीजिए।

Under the Code of Criminal Procedure, 1973, Section 2, how are bailable and non-bailable offences distinguished? Under what circumstances of Section 437 of the Code, bail may be given in case of non-bailable offence? Discuss in brief. 10

(c) क्या कोई पुलिस अधिकारी अन्वेषण के समय न्यायालय की अनुमति प्राप्त किए बिना किसी सम्पत्ति को कब्ज़े में ले सकता है? कब्ज़ा करने के उपरांत ऐसे अधिकारी द्वारा अपनायी जाने वाली प्रक्रिया का वर्णन कीजिए।

Can a police officer during investigation seize any property without the permission from the court? Describe the procedure to be followed by the officer after seizure of such property. 10

9. (a) अभिवाक् सौदेबाज़ी किसे कहते हैं? संक्षेप में इसकी प्रक्रिया वर्णित कीजिए। क्या ये प्रावधान सभी श्रेणी के अपराधों के संदर्भ में लागू होते हैं? क्या अपराध का पीड़ित ऐसी सौदेबाज़ी के विरुद्ध आपत्ति कर सकता है? स्पष्ट कीजिए।

What is plea bargaining? Briefly describe its procedure. Whether these provisions apply in respect of all types of offences? Can victim of crime make any objection against this bargaining? Explain. 20

(b) परिवाद मामले में मजिस्ट्रेट द्वारा अपनायी जाने वाली प्रक्रिया का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

Describe briefly the procedure to be adopted by a Magistrate in complaint cases. 10

(c) दोषसिद्धि के उपरांत कोई सत्र न्यायालय अथवा न्यायिक मजिस्ट्रेट किन परिस्थितियों में तथा किन-किन निर्दिष्ट अपराधों के संदर्भ में दोषी व्यक्ति से परिशांति कायम रखने के लिए प्रतिभूति ले सकता है? विवरण दीजिए।

In what circumstances and in respect to which offences after conviction in the case, a Session Court or a Judicial Magistrate may order for obtaining security for keeping peace from the convicted person? Describe. 10

10. (a) समन मामले तथा वारन्ट मामले के विचारण में अंतर स्पष्ट कीजिए।

Explain clearly the distinction in trials between summons case and warrant case. 5

(b) दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 के अन्तर्गत विवाह के विरुद्ध अपराधों के अभियोजन की प्रक्रिया को समझाइए।

Discuss the prosecution process of offences against marriage as provided under the Criminal Procedure Code, 1973. 5

(c) (i) किसी पुलिस थाने की अधिकारिता में कोई हत्या घटित होती है। पुलिस थाना इन्चार्ज मामले में अन्वेषण प्रारम्भ कर देता है। पीड़ित पक्ष पुलिस थाना इन्चार्ज द्वारा की जा रही अन्वेषण प्रक्रिया में अनियमितताओं की शिकायत सम्बन्धित न्यायिक मजिस्ट्रेट से करता है। क्या मजिस्ट्रेट थाना इन्चार्ज को अन्वेषण रोकने का आदेश दे सकता है? यदि हाँ, तो कैसे? कारण सहित उत्तर दीजिए।

An incident of murder happens within the jurisdiction of a police station. The police station in-charge starts investigation in the case. The aggrieved party approaches the concerned Judicial Magistrate to complain against irregularities being committed by the police station in-charge during investigation. Can the Magistrate order to stop further investigation in the case? If so, then how? Answer with reasons. 10

(ii) दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 के अन्तर्गत 'निर्णय' क्या है? निर्णय में किन-किन बातों का उल्लेख किया जाना आवश्यक है? वर्णन कीजिए।

What is 'judgement' under the Criminal Procedure Code, 1973? What are essentials to be incorporated in a judgement? Discuss. 20

★★★